Print coverage of Madhya Pradesh

17-03-2021

Star Samachar

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस-२०२२

उपभोक्ताओं के लिए एफओपीएल ने हितधारक परामर्श का आयोजन किया

भोपाल। भारत में उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पारंपरिक भोजन तुलना में ऊर्जा की खपत प्रदान करने वाला एक सरल, आकर्षक और आसानी से समझने योग्य चित्रमय एफओपीएल अपनाया जाना चाहिए। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस 2022 के अवसर पर 16 मार्च 2022 को कंस्यमर वॉयस और एमपी इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी ट्रैवल एंड ट्रिज्म स्टडीज , भोपाल के साथ साझेदारी में नेशनल सेंटर फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स एंड एनवायरनमेंट, भोपाल ने 'फ्रांट ऑफ पैक वार्निंग लेबल्स (एफओपीएल)' अस्वास्थ्यकर पैकेज्ड फूड्स पर उपभोक्ताओं के लिए एमपी इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी ट्रैवल एंड टूरिज्म स्टडीज, भोपाल में एक हितधारक परामर्श का आयोजन किया। एफओपीएल और इसके महत्व पर उपभोक्ताओं को जागरूक करते हुए, कंज्यूमर वॉयस की सुश्री एकता पुरोहित ने कहा कि "हमारे देश में मोटापे और अन्य गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) बीमारियों पर बढ़ती चिंताओं के बीच, उपभोक्ताओं के लिए यह अनिवार्य हो जाता है कि उन्हें क्या खाना



चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए। फ्रंट ऑफ-पैक चेतावनी लेबलिंग स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक रणनीति के एक प्रमुख घटक का प्रतिनिधित्व करता है। यह उपभोक्ताओं को त्वरित, स्पष्ट और प्रभावी तरीके से उच्च नमक, चीनी और वसा वाले उत्पादों की पहचान करने में सक्षम बनाता है। डॉ. एस.के. सक्सेना ने पैकेज्ड खाद्य पदार्थों के हानिकारक प्रभावों एवं राज्य और भारत में एनसीडी के बोझ में वृद्धि पर जोर देते हुए कहा कि आहार में उच्च नमक, चीनी और वसा की उच्च मात्रा इन पुरानी और मुश्किल बीमारियों का एक कारण है।

विश्व उपभोक्ता दिवस पर सेमिनार आयोजित

स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पारंपरिक भोजन कुलना में ठार्जा की खपत प्रदान करने जाना एक मरान, आकर्षक और आसानी से साम्झने योग्य चित्रसय एफओपीएल अपनाव जाना चालिए विश्व उपयोक्त अधिकार विवास 2022 के अवसर पर करवूमर वॉपस और एसपी इंस्टॉट्यूट ऑक हॉनिपटीलिटी ट्रेंबल एंड ट्रिंग्स भोगाल के माथ महोदारी में नेशानल सेंटर फॉर ह्यूमन सेंटलमेंट्स एंड एनवायतनमेंट, भोषाल ने 'फ्रंट ऑफ फि व्हर्लिंग लेकामा'असवास्थाकर पैकेज्ड फुद्रुस पर उपभोक्ताओं के लिए एमपी इंस्टीट्यूट आफ डॉस्प्टेनिटी ट्रेकन एंडट्रिंटम स्टडिन, भोपान में एक हितन्त्रसक परामर्स का आयोजन किया। एफओपीएल और इसके महत्व पर उपयोक्तओं की जानक करते हुए, कोणपुर खेपम की मुन्नी एकता पुरेतित ने कहा कि हमारे देश में मोटापे और अन्य गैर-संखारी रोगों एनसी ही बीमारियों पर बड़ती चिताओं के बीच, उपधीकाओं के लिए यह अनिवार्ग हो जाता है कि उन्हें क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए। प्रंट ऑफ-फैक चेतावनी लेक्सिंग स्वस्थ जीवन को बद्धावा देने के लिए एक व्यापक स्वनीति के यह प्रााम परमह का प्रतिनिधान करना है। यह उपभोकाओं को त्वरित, स्पष्ट और प्रभावी तरीके से उराव नमक, चीनी और वसा वाले उत्पादों की पहचान करने में सक्षम बनात है। ही, एसके सक्सेन्ट ने पैकेस्ट खाद पटावीं के द्वनिकारक प्रथानों एवं राज्य और धारत में एनकीती के बोज में शुद्धि पर जोर देते हुए कहा कि अक्षर में उरख नमक.

धीनी और कारा की तथ्य मात्रा इन युवनी और मुस्कित बीमारियों का एक कारण है। उन्होंने कहा कि देशवास्त्रत पैकेशिय समाप्ती से पोल के दुनिया है। यो से सावधार मार्थी माहिया उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सम्मार्थक अधीक्ष प्रकारिय के सावजार अल्ड प्रोसेस्ट साव्या पाठवीं और प्रकार को सुचित करने के लिए लोग्ने में परिवर्तन पर एक किस्तुत प्रस्तुति हो। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि लेक्स सहस्था में दिखाई देने योग्य, पढ़ने योग्य और समझने योग्य साम व्यक्ति और लेक्सिंग भीजन विदिश्य होना पाहिए। विदेश्य पोषक ताल्ये के रहत के अलावा निवर्तण की तारीख



पैकेन्द्र साध्य पदार्थों की स्वपन बढ़ रही है, और यह हमारे बच्चों और युवाओं के जीवन को स्वारों में डाल रहा है। डी. नीतिया ने पैकेन फुट के प्रकार, पैकेनिंग समग्री और विधिय प्रकार के लेखन, के फाल में उपयोग किए जा हो पीजन के और समाप्ति की तारीख होनी पाहिए। यह उपयोकाओं को असवास्थ्यकर खाद्य पदावों के निगर योजन के पैकेट के सामने एक सम्बरण चेतावनी रोब्बल के साथ सही चुनाव करने में सहयता करता है। पैक किए तर खाद्य पदावों पर पैक

पहचान करने में मदद मिलेगी जिनमे उच्च नमक, चीनी और बस्त है। उन्होंने उपचोक्ताओं को सलाह दी कि वे स्मार्ट शीपर बनें, फूड लेबल की तुलना करें, जानें कि आप क्या खा रहे हैं और स्वरूप भोजन चुने। संदीप विकटर ने कहा कि एक सरल और समझने योग्य एफओपोएल का विश्वार अश्वन्न है। इसके लिए गाइवालाइन जारी होते ही इसे मध्य प्रदेश में लागू कर दिया आएगः व्हें. संजीव गुवा, एसोसिएट प्रोपेश्सर, माखनलाल चतुर्वेदी नेशकल यूनिवर्विसेटी ऑफ जन्हेंलकम एंड कम्युनिकंशन ने कहा कि स्वास्थ्य के मुद्दों और परामर्श में चर्चा के रूप में एफओपीएल के महत्व को बड़ी आबादी के बीच प्रसारित करने की आधरपकता है जिसमें मीडिया एक प्रमुख भूमिका निभा सकता है। प्रस्तावित एफओपीएल सरल और स्पष्टना बाला होना चाहिए। भारत एक बहु-भाषाई देश होने के कारण अलग-अलग संस्कृति और खानपान की आदत है, एक भाषा संचार के लिए बाधा उत्पन्न करती है। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत के पारंपरिक्र भोजन की तुलना में उन्जों की खपत की तुलना प्रदान करते हुए एक सरल, आकर्षक और आसानी से समझने योग्य चित्रमय एफओपीएल को अपनाय जाना चाहिए। डॉ. प्रदीप नंदी, महानिदेशक, एनसीएकरस्त्रं ने कहा कि भारत में मधुमेह, उच्च रकचाप, इदय रोग और मोटाय जैसे गैर-संचारी रोग बदली चिंता का विषय हैं। कार्यक्रम का संचालन प्रमणे अर्थाण्यानीतीयस की मोनिका शर्मा और ऐमान जबैर और एनसीएचएसई के अविनाश श्रीवास्तव ने किया।

भारत में उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए

योग्य चित्रमय एफओपीएल अपनाया जाना चाहिए



त पदान करने वाला एक सरल आकर्षक

पारंपरिक भोजन की तुलना में ऊर्जा की खपत प्रदान करने वाला एक सरल आकर्षक

और आसानी से समझने योग्य चित्रमय एफओपीएल अपनाया जाना चाहिए

सुबह सवेरे, भोपाल। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस 2022 के अवसर पर, 16 मार्च 2022 को कस्युमर वांयस और एमगी इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्प्रिटीलटी ट्रैक्ल एंड ट्रिफ्स स्टडीज भोपाल के साथ साझेदारी में नेशनल सेंटर फॉर ह्यूमन सेंटलमेंट्स एंड एनवायरनमेंट, भोपाल ने च्छंट ऑफ पैक वार्निंग लेकल्स (एफओपीएल) अस्वास्थ्यकर पैकेज्ड फूड्स पर उपभोक्ताओं लिए एमगी इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्प्रिटीलटी ट्रैक्ल एंड ट्रिफ्स स्टडीज, भोपाल में एक हिताधारक

परामर्श का आयोजन किया।

डॉ. एस.के. सक्सेना ने पैकेज्ड खाद्य पदार्थों के हानिकारक प्रभावों एवं राज्य और भारत में एनसीडी के बोझ में वृद्धि पर जोर देते हुए कहा कि आहार में उच्च नमक, चीनी और वसा की उच्च मात्रा इन पुरानी और मुश्किल बीमारियों का एक कारण है। उन्होंने कहा कि ग्रैसायकल पैकेजिंग सामग्री से भोजन के दूषित होने से भी सावधान रहना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सामाजिक आर्थिक पृष्ठपृप्ति के बावजूद अल्टो- प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों और पैकेज्ड खाद्य पदार्थों की खपत बढ़ रही है, और यह हमारे बच्चों और युवाओं के जीवन को खतरे में डाल रहा है।

कंज्यूमर वॉयस की सुश्री एकता पुरोहित ने कहा कि हमारे देश में मोटापे और अन्य गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) बीमारियों पर बढ़ती चिंताओं के बीच, उपभोक्ताओं के लिए यह अनिवार्य हो जाता है कि उन्हें क्या खाना चौह और क्या नहीं खाना चाहिए। फंट-ऑफ-पैक चेतावनी लेबलिंग स्वस्थ जीवन को बढावा देने के लिए एक व्यापक रणनीति के एक प्रमुख घटक का प्रतिनिधित्व करता है। यह उपभोक्ताओं को त्वरित, स्पष्ट और प्रभावी तरीके से उच्च नमक, चीनी और वसा वाले उत्पादों

की पहचान करने में सक्षम बनाता है। डॉ. नीलिमा वर्मा, निरेशक, एमपीआईएचटीटीएस ने पैकेज फूड के प्रकार, पैकेजिंग सामग्री और विभिन्न प्रकार के लंबल, भारत में उपयोग किए जा रहे भोजन के प्रकार को

सूचित करने के लिए प्रतीक चिन्ह में परिवर्तन पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि लेबल पैक के सामने, स्पष्ट रूप से दिखाई देने योग्य, पढ़ने योग्य और समझने योग्य होना चाहिए और लेबलिंग भोजन विशिष्ट होना चाहिए। पैक किए गए खाद्य पदार्थों पर पैक चेतावनी लेबल के सामने उपभोक्ताओं को उन उत्पादों की पहचान करने में मदद मिलेगी जिनमे उच्च नमक, चीनी और वसा हैं। उन्होंने उपभोक्ताओं को सलाह दी कि वे स्मार्ट शॉपर बनें, फूड लेबल की तुलना करें, जानें कि आप क्या खा रहे हैं और स्वस्थ भोजन चनें।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर हितधारक परामर्श का आयोजन

भारत में पारंपरिक भोजन की तुलना में ऊर्जा की खपत प्रदान करने वाला एफओपीएल अपनाए



स्वदेश संवाददाता, भोपाल

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस 2022 के अवसर पर कंन्यूमर वर्षिस और एमपी इंस्टीट्रयूट ऑफ हॉस्पिटीलटी ट्रैक्ल एंड ट्र्रास्क्य स्टडीज, भोपाल के साथ साझेदारी में नेशनल सेंटर फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स एंड एनवायरनमेंट, भोपाल ने फंट ऑफ पैक वानिंग लेवल्स (एफओपीएल) अस्वास्थ्यकर पैकेन्ड फूड्स पर उपभोक्ताओं के लिए एमपी इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटीलटी ट्रैक्ल एंड ट्रास्म स्टडीज, भोपाल में एक हितधारक परामश्री का आयोजन किया।

क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए की चिंता जरुरी: एफओपीएल और सक महत्व पर उपभोकाओं को जागरूक करते हुए, कंज्युम्प वॉयस की मुश्री एकता पुरोहित ने कहा कि हमारे देश में मोटापे और अन्य गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) बीमारियों पर बढ़ती विंताओं के बीच, उपभोकाओं के लिए यह अनिवार्य हो जाता है कि उन्हें क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए। फंट-ऑफ-पैक नेतानी लेबालिंग स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने के लिए एक खायफ प्रमुख प्रटक का प्रतिनिधित्व करता है। यह उपभोकाओं

को त्वरित, स्पष्ट और प्रभावी तरीके से उच्च नमक, चीनी और वसा वाले उत्पादों की पहचान करने में सक्षम बनाता है।

आहार में उच्च नमक, चीनी बीमारियों का कारण: डॉ. एस.के. सक्सेना ने पैकेन्ड खाद्य पदावों के हानिकारक प्रभावों एवं राज्य और भारत में एनसीडी के बाह में वृद्धि पर जोर देते हुए कहा कि आहार में उच्च नमक, चीनी और वसा की उच्च मात्रा इन पुरानी और मुश्किल बीमारियों का एक कारण है। उन्होंने कहा कि रीसायकल में केंग्रिंग सामग्री से भोजन के दूषित होने से भी सावधान रहना चाहिए।

लोगो में परिवर्तन पर विस्तृत प्रस्तृति दी

डॉ. नीलिमा वर्मा, निदेशक, एमपीआईएवटीटीएस ने पैकेज फूड के प्रकार, पैकेजिंग सामग्री और विभिन्न प्रकार के लेबल, भारत में उपयोग किए जा रहे भोजन के प्रकार को सूचित करने के लिए लोगो में परिवर्तन पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि लेबल स्पष्ट रूप से दिखाई देने योग्य, पढ़ने योग्य और समझने योग्य होना चाहिए और लेबलिंग भोजन विशिष्ट होना चाहिए। विभिन्न पोषक तत्त्रों के स्तर के अलावा निर्माण की तारीख और समाप्ति की तारीख होनी चाहिए। यह उपभोक्ताओं को अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों के लिए भोजन के पैकेट के सामने एक साधारण चेतावनी लेबल के साथ सही चुनाव करने में सहायता करता है।

मीडिया निभा सकता है प्रमुख भूमिका

प्रो. (डॉ.) संजीव गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, माखनलाल वर्तुवैदी नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ जर्निलज्म एंड कम्युनिकेशन ने कहा कि स्वास्थ्य के मुद्दों और परामर्श में चर्चों के रूप में एफओपीएल के महत्व को बड़ी आबादी के बीच प्रसारित करने की आवश्यकता है जिसमें मीडिया एक प्रमुख भूमिका निभा सकता है। प्रस्तावित एफओपीएल सरल और स्पष्टता वाला होना वाहिए।

फ्रंट-ऑफ-पैक चेतावनी लेबलिंग स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने के लिए जरूरी

भोपाल। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के अवसर पर 16 मार्च को कंज्यूमर वॉयस और एमपी इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी ट्रैवल एंड टूरिज्म स्टडीज (MPIHTTS) भोपाल के साथ साझेदारी में नेशनल सेंटर फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स एंड एनवायरनमेंट, भोपाल ने 'फ्रंट ऑफ पैक वार्निंग लेबल्स (एफओपीएल)' अस्वास्थ्यकर पैकेज्ड फूड्स पर उपभोक्ताओं के लिए एमपी इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी ट्रैवल एंड टूरिज्म स्टडीज में एक हितधारक परामर्श का आयोजन किया। एफओपीएल और इसके महत्व पर उपभोक्ताओं को जागरूक करते हुए कंज्यूमर वॉयस की सुश्री एकता



पुरोहित ने कहा कि हमारे देश में मोटापे और अन्य गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) बीमारियों पर बढ़ती चिंताओं के बीच उपभोक्ताओं के लिए यह अनिवार्य हो जाता है कि उन्हें क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए। फ्रंट-ऑफ-पैक चेतावनी लेबिलंग स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक रणनीति के एक प्रमुख घटक का प्रतिनिधित्व करता है। डॉ. एस.के. सक्सेना ने पैकेज्ड खाद्य पदार्थों के हानिकारक प्रभावों एवं राज्य और भारत में एनसीडी के बोझ में वृद्धि पर जोर देते हुए कहा कि आहार में उच्च नमक, चीनी और वसा की उच्च मात्रा इन पुरानी और मुश्किल बीमारियों का एक कारण है।

स्वास्थ्य के हानिकारक हैं पैकेन्ड खाद्य पदार्थ

भोपाल। नेशानल सेंटर फाँर ह्यूमन सेटलमेंट्स एंड एनवाबरनमेंट, भोपाल ने 'फंट ऑफ पैक वार्तिंग लेक्टस (एफओपीएल)' अस्वास्थ्यकर पैकंज्ड फूड्स पर उपभोक्ताओं के लिए एमपी इंस्टोट्यूट ऑफ हॉस्पटेंलिटी ट्रैक्ल एंड ट्रिन्स स्टडोंज, मोपाल में एक कार्यशाला का आयोजन किया। डॉ. एसके सक्सेना ने पैकंज्ड खाद्य पदार्थों के हानिकारक प्रभावों पर जोर देते हुए कहा कि आहार में उच्च नमक, पीनी और वसा की उच्च मात्रा इन पुरानी और मुश्कित बीमारियों का एक कारण है। उन्होंने कहा कि रीसाथकल पैकंजिंग सामग्री से भोजन के दूषित होने से भी सावधान रहना चाहिए।